

以身戮恶

浓缩排骨 作词
虞之
章鱼烧正太 作曲
天之韵 记谱

1 = G $\frac{4}{4}$

演唱：朱强、吾恩、Assen捷、T-Tone

3 5 | 1̇ 7 6 5 53. | 1̇ 7 6 5 53. | 1̇ 7 6 5 53 2 3 2 3 | 4 3 2 1 16. | 4 3 4 5 53. |
 看这 星火燎山 河，成败是非 说，一身浩然 风洒脱，遥望 天光也乍 破，狼烟凉萧 索，
 6 6 #5 6 7 7 6 7 | 1̇ 7 6 5 53. | 1̇ 7 1̇ 2̇ 27. | 3̇ 3̇ 2̇ 5 6 6 6 5 | 6. 3̇ 3̇ 3̇ 2̇ 3̇ 7 1̇ |
 七星 战十恶。天下 宵小何其 多，乱世皆烽 火，苍生泣血歌，愿我 浩气 身，死战天下
 7. 6 6 - - | (0. 7 7 1 2. 3 3 5 | 3 - - 0 5 | 6 7 1̇ 1̇ 7 6 5 3322 1217 | 6 7 1 2 |
 之 恶。

3. 5 6. 7 7 1̇ | 2̇ 3̇ 5 5 6. 6 1̇ 2̇ | 3̇. 2̇ 2̇ 5 3̇. 2̇ 2̇ 1̇ | 2̇. 3̇ 3̇ - 0) ||: 3 3 6 5 52. 0 1 7 |
 江湖有好 酒，愿为
 南屏映晚 枫，八方

1 1 166 3. 7 5 | 6 3 3 3 2 2 5 7 7 1 | 2 2 6 3 0 1 2 | 3 3 6 7 73. 0 3 2 |
 正行报以歌，武王 坚城不 破，剑指黑龙融 天世外坡。谈笑 刀剑影几 重，心有
 逐鹿死生共，风雨 同舟共 渡，苍山落雪千 岩云在 峰。耳边 惊雷起战 鼓，谈笑

1 1 1 53 3. 1 5 | 6 3 3 3 2 2 5 7 7 1 | 7 7 1 6 6 0 2 3 | 4 3 4 4 6 1 7 0 1 2 |
 正气飒飒 落，望此 身能为 剑，朗朗长空下 肃清山河。生死 方寸间 一局棋，青锋
 刀剑影几 重，望此 身能为 剑，朗朗长空下 肃清山河。 %

3 5 5 57 6 6 0 6 7 | 1 6 7 1 1 7 1 2 1 2 4. | 3 - 0 3 5 | 1̇ 7 6 5 53. | 1̇ 7 6 5 53. |
 得几分 痛饮，若能 海晏河清，无愧这碧 血丹 心。看这 1. 3 锦绣映山 河，快意恩仇 过，
 看这 2. 4 星火燎山 河，成败是非 说，

1̇ 7 6 5 53 2 3 2 3 | 4 3 2 1 16. | 4 3 4 5 53. | 6 6 #5 6 7 7 6 7 |
 高声浩然 歌洒脱，一曲 千里快哉 风，醉千帆错 落，不休 不相逢。天下
 一身浩然 风洒脱，遥望 天光也乍 破，狼烟凉萧 索，七星 战十恶。天下

1̇ 7 6 5 53. | 1̇ 7 1̇ 2̇ 27. | 3̇ 3̇ 2̇ 5 6 6 6 5 | 6. 3̇ 3̇ 3̇ 2̇ 3̇ 7 1̇ | 7. 6 6 - - |
 1. 义士皆惊 鸿，英雄多 崢 嶸，纵情 以长歌，1. 愿我 浩气 身 杀尽 天下 之 恶。
 宵小何其 多，乱世皆烽 火，苍生泣血歌，2. 3. 愿我 浩气 身 死战 天下
 4. 愿我 以子 身 杀尽 天下

(6 - 1 2 | 3 - - 5 | 6 - 5 2 | 3 - - 3 5 | 6 - - - | 3 - - - | 6 - - 1 2 | 3 - 5 - |
 2. 6 6 6 6 6 6 6 7) :|| 7. 6 6 - - | 3 2 3 2 3 5 2 3 1 7 5 5 | 5 3. 3 0 |
 之 恶。 剑落天穹何处，自有我肝胆成 筹，

3 2 3 2 3 5 2 3 1 7 1 2 | 2̇ 3̇. 3̇ 0 6 | 3̇ 6 6 1̇ 1̇ 7 7. 0 3 | 3̇ 2̇ 1̇ 7 6 6 0 5 5 |
 血染千万疆土，自有我与君同 赴。谁 自在逍遥法 外，可 怜可恨可 哀，天地

3. 6 3 2 23. 6 1̇ 7 5 3 | 5. 6 6 - 3 5 || 7. 6 6 - 3 5 || 7. 6 6 - - | (6 6 5 6 6 6 5 6 6 6 5 6 1 7 6 5 |
 自有法 度，心正则自有 卦数。看这 D.S. 之 恶。看这 D.S. 之 恶。

6 6 5 6 6 6 5 6 6 6 5 6 1 7 1 2 | 6 6 5 6 6 6 5 6 6 6 5 6 1 7 6 5 | 3 - 5 6 7 1 | 0. 6 6 -) ||